

पूर्वोत्तर मानसून 2012: एक परिदृश्य (अक्टूबर-दिसंबर)*

अक्टूबर-दिसंबर 2012 में पूर्वोत्तर मानसून अपनी दीर्घावधि औसत (एलपीए) से 21 प्रतिशत नीचे था हालांकि यह कम था फिर भी इस सीजन के दौरान वर्षा में यह गिरावट हाल के वर्षों में देखी गई कमियों की तुलना में कम थी। 2012-13 में रबी खाद्यान्नों का समग्र उत्पादन थोड़ा सा कम अर्थात् 125.5 मिलियन टन था जबकि 2011-12 में 128.1 मिलियन टन था। सीजन के अंत में रबी फसलों के अंतर्गत क्षेत्र व्यापन (एरिया कवरेज) सामान्य का लगभग 101 प्रतिशत था जो कि पिछले वर्ष से थोड़ा सा अधिक था। 84 प्रमुख जलाशयों का 14 मार्च 2013 को लाइव स्टोरेज, जो 37 प्रतिशत की कुल भंडारण क्षमता की तुलना में है, पिछले वर्ष जितना ही रहा।

प्रस्तावना

पूर्वोत्तर मानसून जो अक्टूबर-दिसंबर के दौरान होता है, और जिसे मानसूनोत्तर वर्षा भी कहा जाता है, रबी की फसल के उत्पादन का एक महत्वपूर्ण निर्धारक है क्योंकि यह रबी की बुआई के साथ जुड़ता है। पूर्वोत्तर मानसून की महत्ता आगे इस तथ्य से भी मापी जा सकती है कि गोहूँ रबी की फसल है तथा कुल दलहनों का लगभग 63 प्रतिशत और तिलहनों का 36 प्रतिशत हर वर्ष रबी सीजन के दौरान ही उत्पादित होता है। इस लेख में अक्टूबर-दिसंबर 2012 के दौरान पूर्वोत्तर मानसून के कार्यनिष्पादन की समीक्षा की गई है।

एक विहगावलोकन: पूर्वोत्तर मानसून 2012

गत वर्ष की तुलना में जब पूर्वोत्तर मानसून एलपीए से लगभग 48 प्रतिशत नीचे था चालू सीजन में अपने सामान्य से वर्षा का 21 प्रतिशत विचलन अपेक्षाकृत कम रहा है। रबी दलहनों का उत्पादन 10 प्रतिशत बढ़कर 2012-13 में 12.8 मिलियन टन हो जाने का अनुमान

* भारतीय रिजर्व बैंक के आर्थिक और नीति अनुसंधान विभाग, विकासात्मक अध्ययन प्रभाग, में तैयार किया गया।

तालिका 1 : पूर्वोत्तर मानसून में कमी के वर्षों के दौरान रबी फसलों का उत्पादन

वर्ष	पूर्वोत्तर मानसून में विचलन	रबी खाद्यान्नों में वृद्धि (प्रतिशत)	गेहूँ में वृद्धि (प्रतिशत)	(प्रतिशत)	
				रबी दलहन में वृद्धि (प्रतिशत)	रबी तिलहन में वृद्धि (प्रतिशत)
1	2	3	4	5	6
2012-13@	-21	-2.0	-2.7	10.0	9.9
2011-12	-48	3.6	9.2	-0.9	-13.7
2008-09	-31	5.9	2.7	18.2	9.6
2007-08	-32	2.9	3.6	-11.1	-12.0
2006-07	-21	8.1	9.3	10.3	-8.3
2004-05	-11	-1.2	-4.9	-3.8	19.9
2002-03	-33	-13.1	-9.6	-18.2	-21.2

@ : दूसरे अग्रिम अनुमान

स्रोत : भारतीय मौसम विज्ञान विभाग और कृषि मंत्रालय, भारत सरकार।

है (2011-12 के 11.0 मिलियन टन के मुकाबले) (तालिका 1)

वस्तुतः वर्ष में, रबी दलहनों का उत्पादन, एक रिकॉर्ड ऊंचाई तक पहुंच सकता है। दलहनों की घरेलू सप्लाई अपर्याप्त होने की स्थिति में यह वृद्धि काफी महत्वपूर्ण है।

संचयी वर्षा

अखिल भारतीय स्तर पर अक्टूबर-दिसंबर 2012 के दौरान दर्ज की गई संचयी वर्षा 127.2 एमएम के सामान्य स्तर की तुलना में कम अर्थात् 100.6 एमएम मापी गई। जिसका आशय यह है कि इसमें 21 प्रतिशत की कमी हुई। देश के 36 उपखंडों में से 21 में वर्षा कम/अल्प रही। तथापि प्रायद्वीप के कुछ उपखंडों में तथा पूर्वी क्षेत्रों में वर्षा सामान्य से अधिक हुई।

कालिक वितरण

मासिक

दक्षिणी प्रायद्वीप के पांच उपखंडों, जिसे कोर क्षेत्र कहते हैं, अर्थात् तटीय आंध्रप्रदेश, रायल सीमा, तमिलनाडु तथा पुद्दुचेरी, दक्षिणी अंतर्वर्ती कर्नाटक तथा केरल में आमतौर पर शेष देश की तुलना में अक्टूबर-दिसंबर 2012 के दौरान वर्षा अधिक होती

तालिका 2 : संचयी वर्षा मासिक - अखिल भारतीय

(मि.मी.में)

क्षेत्र	2012			2011
	वास्तविक	सामान्य	विचलन (%)	विचलन (%)
1	2	3	4	5
अक्तूबर	58.3	80.6	-28.0	-52.2
नवंबर	32.9	29.7	11.0	-30.3
दिसंबर	9.4	16.8	-44.0	-55.4
पूर्वोत्तर मानसून	100.6	127.2	-21.0	-48.3

एमएम : मिली मीटर

स्रोत: भारतीय मौसम विज्ञान विभाग

है। अक्तूबर-दिसंबर 2012 के दौरान इन पांच उपखंडों में संचयी वर्षा समूचे देश की 79 प्रतिशत (-21 प्रतिशत विचलन) की तुलना में एलपीए की 93 प्रतिशत हुई (-7 प्रतिशत विचलन) (तालिका 2)। इन पांच उपखंडों में वर्षा का संचयी मासिक वितरण अक्तूबर-नवंबर तथा दिसंबर 2012 के दौरान क्रमशः 92 प्रतिशत, 129 प्रतिशत और 57 प्रतिशत था।

साप्ताहिक

अखिल भारतीय स्तर पर साप्ताहिक आधार पर सीजन के शुरु में एक सप्ताह और दिसंबर मध्य में एक सप्ताह को छोड़कर पूरे सीजन वर्षा सामान्य से कम रही (चार्ट 1ए)। तदनुसार अधिकतम अवधि में

साप्ताहिक संचयी वर्षा भी एलपीए से नीचे ही रही (चार्ट 1बी)।

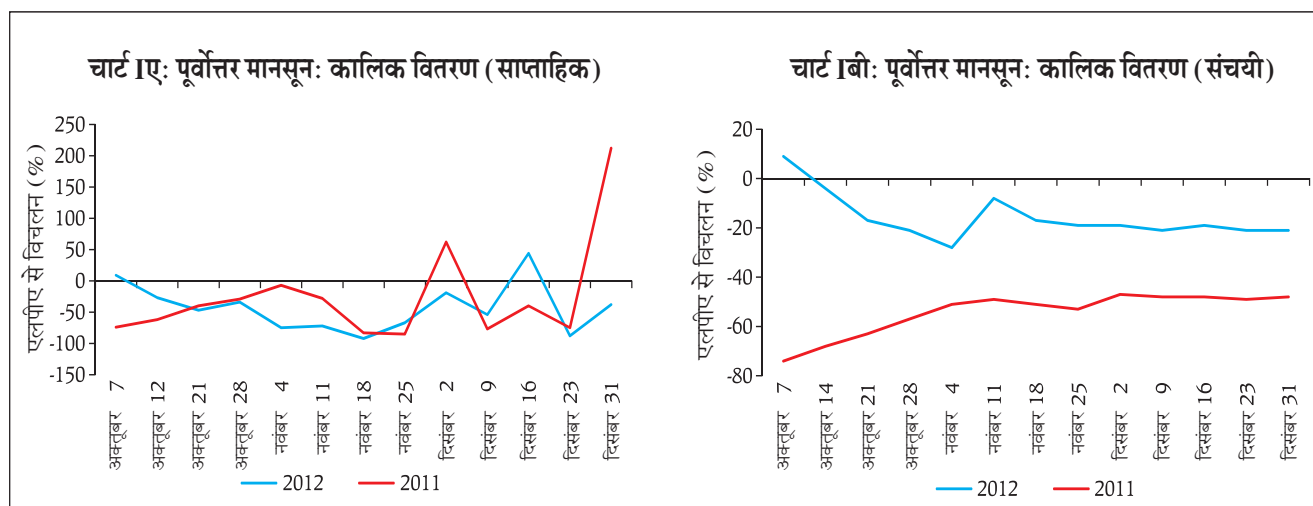
स्थानिक वितरण

कोर क्षेत्र के भीतर तटीय आंध्र प्रदेश में सामान्य से अधिक वर्षा हुई, रायलसीमा तथा तमिलनाडु और पुद्दुचेरि में सामान्य वर्षा हुई, जबकि दक्षिणी अंदरूनी कर्नाटक तथा केरल में सामान्य से कम वर्षा हुई। कोर क्षेत्र के बाहर कुछ पूर्वी/उत्तर पूर्वी क्षेत्र के भागों में तथा मध्य भारत के कुछ भागों में वर्षा अधिक अथवा सामान्य रही।

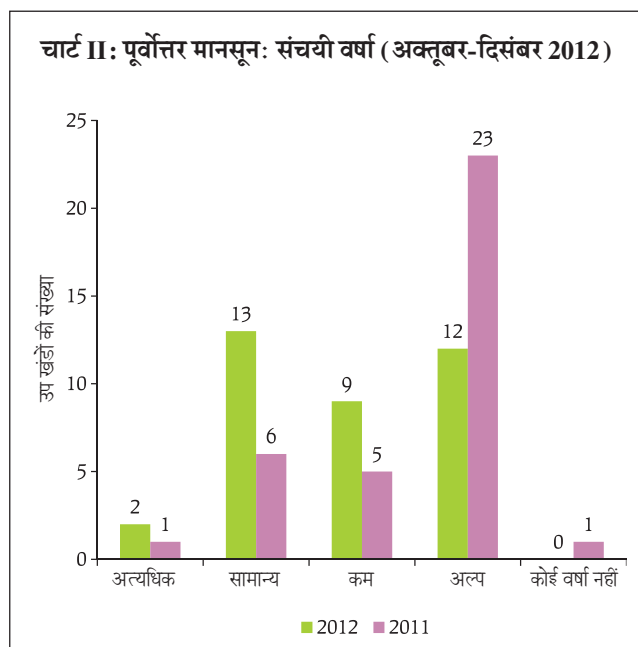
अवधि के दौरान हुई कम वर्षा देश में फैले मौसम विज्ञान उपखंडों में स्थानिक वितरण को भी परिलक्षित करती है। 36 मौसम विज्ञान उपखंडों में से 2 में संचयी वर्षा सामान्य से अधिक थी और 13 में सामान्य थी (गत वर्ष की तदनुसूची अवधि में क्रमशः 1 तथा 6) 9 में कम तथा 12 उपखंडों में काफी कम (गत वर्ष क्रमशः 5 तथा 3) थी।¹ तथापि चालू सीजन में शून्य वर्षा वाला कोई उपखंड नहीं था जबकि गतवर्ष एक था (चार्ट II, तालिका 3 तथा स्टेटमेंट 1)।

गत 10 वर्षों में 6 वर्ष ऐसे थे जब पूर्वोत्तर वर्षा कम रही और 2011 के दौरान यह कमी बहुत ज्यादा थी (तालिका 4)।

जिलावार



¹ एक्ससै: + 20 प्रतिशत या अधिक, सामान्य: + 19 प्रतिशत से - 19 प्रतिशत, कम: - 20 प्रतिशत से - 50 प्रतिशत, अल्प/बहुत कम: - 60 प्रतिशत से - 99 प्रतिशत, कोई वर्षा नहीं/- 100 प्रतिशत (सब दीर्घावधि औसत के संबंध में)।



जिलावार जिन 623 मौसम विज्ञानी जिलों के लिए आंकड़े उपलब्ध थे उनमें से 31 प्रतिशत मौसम विज्ञानी जिलों में सामान्य से अधिक / सामान्य वर्षा हुई तथा शेष 69 प्रतिशत में, सीजन के दौरान कम/अल्प/कोई वर्षा नहीं हुई (स्टेटमैन्ट II) पिछले वर्ष के तदनुसारी आंकड़े क्रमशः 13 प्रतिशत और 87 प्रतिशत थे।

जलाशयों की स्थिति

केंद्रीय जल आयोग देश के 84 प्रमुख जलाशयों में कुल लाइव जल भंडारण को मॉनीटर करता है जिनका

तालिका 3: वर्षा के वर्ग के अनुसार उपखंडों का बटवारा

वर्षा का वर्ग	उपखंड
1	2
आधिक्य	तटीय आंध्र प्रदेश, तेलंगाना
सामान्य	अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह, अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय, गैंगटिक पश्चिम बंगाल, ओड़िशा, झारखंड, कोकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, रायलसीमा, तमिलनाडु और पुदुच्चेरी, तटीय कर्नाटक तथा उत्तर अंदरूनी कर्नाटक
कम	नागालैण्ड, मणिपुर, मिजोरम तथा त्रिपुरा, उप हिमालयी पश्चिम बंगाल तथा सिक्किम, बिहार, जम्मू तथा काश्मीर, मराठवाड़ा, विदर्भ, दक्षिण अंदरूनी कर्नाटक, केरल तथा लक्षद्वीप
अल्प (स्कैटी)	पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, हरियाणा, चण्डीगढ़ तथा दिल्ली पंजाब, हिमाचल प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान, पूर्वी राजस्थान, पश्चिमी मध्य प्रदेश, पूर्वी मध्यप्रदेश तथा सौराष्ट्र और कच्छ, गुजरात क्षेत्र, दमण, दादरा तथा नगर हवेली
कोई वर्षा नहीं	शून्य

स्रोत : भारतीय मौसम विज्ञान विभाग

तालिका 4 : पूर्वोत्तर मानसून वर्षा : संचयी वर्षा

वर्ष	संचयी वर्षा : ऊपर (+)/ नीचे (-) सामान्य (प्रतिशत)	वर्षा			
		आधिक्य	सामान्य	कम	अल्प/ कोई वर्षा नहीं
उपखंडों की संख्या (जोड़ = 36)					
1	2	3	4	5	6
2002	-33	3	7	12	14
2003	8	9	9	6	12
2004	-11	8	10	17	1
2005	10	11	6	5	14
2006	-21	3	6	14	13
2007	-32	2	7	9	18
2008	-31	2	4	15	15
2009	8	13	10	9	4
2010	21	18	7	10	1
2011	-48	1	6	5	24
2012	-21	2	13	9	12

स्रोत: भारतीय मौसम विज्ञान विभाग

पूर्ण जलाशय स्तर 154.421 बिलियन क्यूबिक मीटर (बीसीएम) है जो कि देश की कुल जलाशय क्षमता का लगभग 67 प्रतिशत बनता है। दक्षिण पश्चिमी मानसून 2012 में, वर्षा में कमी, रबी सीजन 2012 के शुरू में इन जलाशयों में जल के कम स्तर के रूप में परिलक्षित हुई। सितंबर अंत 2012 में इन जलाशयों में लाइव से कुल क्षमता गत वर्ष के 87 प्रतिशत की तुलना में 74 प्रतिशत थी। पूर्वोत्तर मानसून अवधि के अधिकांश भाग के दौरान इन जलाशयों में पानी, पिछले वर्ष की तुलना में कम बना रहा। दिसंबर 2012 के अंत में 'लाइव से कुल

तालिका 5 : जलाशयों की स्थिति

स्थिति	सितंबर अंत			दिसंबर अंत		
	2010	2011	2012	2010	2011	2012
1	2	3	4	5	6	7
कुल लाइव स्टोरेज (बीसीएम)	114.45	131.49	115.00	104.68	94.38	91.43
एफआरएल पर लाइव क्षमता की प्रतिशतता	75	87	74	69	62	59

बीसीएम : बिलियन क्यूबिक मीटर एफआरएल : पूर्ण जलाशय स्तर

स्रोत : केन्द्रीय जल आयोग।

क्षमता अनुपात, पिछले वर्ष के 62 प्रतिशत की तुलना में 59 प्रतिशत रहा (तालिका 5)। 14 मार्च 2013 को 84 प्रमुख जलाशयों में कुल लाइव स्टोरेज एक वर्ष पहले के 38 प्रतिशत की तुलना में पूर्ण जलाशय स्तर (एफआरएल) का 37 प्रतिशत था।

बुआई में प्रगति

अक्टूबर-दिसंबर 2012 के दौरान बारिश में कमी के बावजूद सीजन के अंत की स्थिति में सभी रबी फसलों के अंतर्गत कवरेज पिछले वर्ष की तदनु रूप अवधि की तुलना में थोड़ा सा अधिक था। तथापि गेहूँ और चावल के अंतर्गत क्षेत्र कवरेज, पिछले वर्ष प्राप्त स्तर की तुलना में थोड़ा सा कम ही बना रहा (तालिका 6)।

कृषि उत्पादन के अनुमान: 2012-13

दूसरे अग्रिम अनुमानों के अनुसार 2012-13 के दौरान खाद्यान्नों का उत्पादन 250.1 मिलियन टन अनुमानित है जो कि 2011-12 के दौरान हुए 259.3

तालिका 6 : रबी की बुवाई 2012-13

(मिलियन हेक्टेयर)

फसल का नाम	आज की तिथि तक सामान्य	सीजन के अंत में		प्रतिशतता	
		2012	2013	2012 की तुलना में	सामान्य से
1	2	3	4	5	6
खाद्यान्न	51.8	52.7	53.3	1.1	102.9
गेहूँ	28.3	29.9	29.4	-1.7	103.9
चावल	4.5	3.9	3.8	-2.6	84.4
मोटा अनाज	6.3	5.7	5.9	3.5	93.7
दालें	12.7	13.3	14.2	6.8	111.8
तिलहन	9.2	7.9	8.3	5.1	90.2
सभी फसलें	61.0	60.6	61.6	1.7	101.0

स्रोत : क्रॉपस एण्ड टीएमओपीडिवीजन्स, डीएसी

तालिका 7 : कृषि उत्पादन 2012-13

(मिलियन टन)

फसल	2011-12 अंतिम अनुमान	2012-13 दूसरे अग्रिम अनुमान	प्रतिशतता वेरिएशन 2012-13
1	2	3	4
खाद्यान्न	259.3	250.1	-3.5
चावल	105.3	101.8	-3.3
गेहूँ	94.9	92.3	-2.7
मोटा अनाज	42.0	38.5	-8.3
दालें	17.1	17.6	2.9
तिलहन	3.0	2.9	-3.3
कपास#	3.5	3.4	-2.9
जूट तथा मैस्टा##	1.1	1.1	0.0
गन्ना (केन)	36.1	33.5	-7.2

#: 70 कि.ग्रा. प्रत्येक की लाख गांठें

##: 180 कि.ग्रा. प्रत्येक की लाख गांठें

मिलियन टन के मुकाबले 3.5 प्रतिशत कम है। दलहनों को छोड़कर सभी फसलों के उत्पादन में 2012-13 के दौरान गिरावट आने का अनुमान है जो कि अधिकांशतः दक्षिण पश्चिम मानसून 2012 के दौरान कम वर्षा के प्रभाव को परिलक्षित करता है। गन्ने के उत्पादन में भी चालू वर्ष के दौरान गिरावट आने का अनुमान है (तालिका 7)।

निष्कर्ष

अक्टूबर-दिसंबर 2012 में पूर्वोत्तर मानसून सामान्य से 21 प्रतिशत कम थी जबकि पिछले वर्ष यह सामान्य से 48 प्रतिशत कम थी। दलहनों तथा जूट और मैस्टा को छोड़कर अधिकांश कृषि फसलों के उत्पादन में 2012-13 के दौरान गिरावट दर्ज होने का अनुमान है। अतः 2011-12 की तुलना में कृषि क्षेत्र में 2012-13 में कम वृद्धि होने की संभावना है।

विवरण 1 : मूलभूत वर्षा के आंकड़े (संचयी)								
उप खण्ड	1 अक्टूबर से 31 दिसंबर 2012 तक की वर्षा				1 अक्टूबर से 31 दिसंबर 2011 तक की वर्षा			
	वास्तविक (एमएम)	सामान्य (एमएम)	सामान्य से विचलन प्रतिशत (%)		वास्तविक (एमएम)	सामान्य (एमएम)	सामान्य से विचलन प्रतिशत (%)	
1 अंडमान और निकोबार प्रायद्वीप	665.2	695.9	-4.4	एन	556.2	695.9	-20.1	डी
2 अरुणाचल प्रदेश	224.4	267.2	-16.0	एन	81.1	267.2	-69.6	एस
3 आसाम और मेघालय	181.3	195.0	-7.0	एन	51.7	195.0	-73.5	एस
4 नागालैण्ड, मणिपुर मिजोरम और त्रिपुरा	181.2	243.0	-25.4	डी	79.9	243.0	-67.1	एस
5 सब हिमालयन पश्चिमी बंगाल और सिक्किम	148.6	185.3	-19.8	डी	64.8	185.3	-65.0	एस
6 गोंगेटिक पश्चिमी बंगाल	134.0	160.1	-16.3	एन	29.5	160.1	-81.6	एस
7 ओडिशा	147.6	144.1	2.4	एन	24.4	144.1	-83.1	एस
8 झारखंड	81.3	91.6	-11.2	एन	25.3	91.6	-72.4	एस
9 बिहार	44.4	77.5	-42.7	डी	10.3	77.5	-86.7	एस
10 पूर्वी उत्तर प्रदेश	2.5	60.4	-95.9	एस	1.1	60.4	-98.2	एस
11 पश्चिमी उत्तर प्रदेश	3.9	54.4	-92.8	एस	0.5	54.4	-99.1	एस
12 उत्तराखंड	32.6	89.6	-63.6	एस	10.5	89.6	-88.3	एस
13 हरियाणा चंडीगढ़ और दिल्ली	7.6	29.4	-74.1	एस	0.2	29.4	-99.3	एस
14 पंजाब	11.3	41.1	-72.5	एस	4.1	41.0	-90.0	एस
15 हिमाचल प्रदेश	41.4	108.2	-61.7	एस	17.9	108.2	-83.5	एस
16 जम्मू और कश्मीर	95.0	131.8	-27.9	डी	73.2	131.8	-44.5	डी
17 पश्चिमी राजस्थान	3.2	9.6	-66.7	एस	0.1	9.5	-99.5	एस
18 पूर्वी राजस्थान	0.3	27.6	-98.9	एस	0.0	27.6	-100.0	एनआर
19 पश्चिमी मध्य प्रदेश	3.6	53.1	-93.2	एस	0.5	53.1	-99.1	एस
20 पूर्वी मध्य प्रदेश	20.8	57.8	-64.0	एस	1.6	57.8	-97.2	एस
21 गुजरात क्षेत्र दमन, दादरा और नगर हवेली	4.6	34.9	-86.8	एस	2.4	34.9	-93.1	एस
22 सौराष्ट्र और कच्छ	3.6	29.0	-87.0	एस	3.4	29.0	-88.3	एस
23 कोंकण और गोआ	175.5	148.6	18.1	एन	121.1	148.6	-18.5	एन
24 मध्य महाराष्ट्र	95.1	107.8	-11.8	एन	58.6	107.8	-45.6	डी
25 मराठवाडा	72.2	101.6	-28.9	डी	25.4	101.6	-75.0	एस
26 विदर्भ	42.8	81.8	-47.7	डी	4.3	81.8	-94.7	एस
27 छत्तीसगढ़	65.3	76.9	-15.1	एन	15.6	76.9	-79.7	एस
28 तटीय आंध्र प्रदेश	435.2	327.4	32.9	इ	179.3	327.4	-45.2	डी
29 तेलंगाना	145.1	119.3	21.6	इ	17.4	119.3	-85.4	एस
30 रायल सीमा	215.1	219.2	-1.9	एन	178.2	219.2	-18.7	एन
31 तमिलनाडु और पुदुचेरी	367.7	438.2	-16.1	एन	536.5	438.2	22.4	इ
32 तटीय कर्नाटक	219.9	262.8	-16.3	एन	257.2	262.8	-2.1	एन
33 उत्तरी अंदरूनी कर्नाटक	139.2	145.3	-4.2	एन	80.8	145.3	-44.4	डी
34 दक्षिणी अंदरूनी कर्नाटक	161.8	209.6	-22.8	डी	208.4	209.6	-0.6	एन
35 केरल	312.3	480.7	-35.0	डी	447.2	480.7	-7.0	एन
36 लक्षद्वीप	167.3	333.6	-49.9	डी	316.7	333.6	-5.1	एन
ई: आधिक्य, अर्थात् + 20% या ज्यादा			2.0				1.0	
एन: सामान्य अर्थात् + 19% से - 19%			13.0				6.0	
डी: कम अर्थात् - 20% से - 59%			9.0				5.0	
एस: अल्प अर्थात् - 60% या कम			12.0				23.0	
एनआर: वर्षा नहीं अर्थात् - 100%			0.0				1.0	
जोड़			36.0				36.0	

एमएम: मिलीमीटर

स्रोत : भारतीय मौसम विज्ञान विभाग

विवरण II: आधिक्य, सामान्य, कम, अल्प तथा 'कोई वर्षा नहीं' वाले जिलों की संख्या का राज्यवार बंटवारा								
क्रम सं.	राज्य	अवधि 1 अक्टूबर 2012 से 31 सितंबर 2012						
		ई	एन	डी	एस	एनआर	एनडी	जोड़
1	ए एंड एन प्रायद्वीप (केंद्रशासित)	0	2	1	0	0	0	3
2	अरुणाचल प्रदेश	3	3	4	3	0	3	16
3	आसाम	5	10	10	2	0	0	27
4	मेघालय	2	3	1	0	0	1	7
5	नागालैण्ड	0	1	4	1	0	5	11
6	मणिपुर	1	2	2	0	1	3	9
7	मिजोरम	0	2	5	0	0	2	9
8	त्रिपुरा	0	3	1	0	0	0	4
9	सिक्किम	0	1	0	3	0	0	4
10	पश्चिम बंगाल	4	9	6	0	0	0	19
11	ओड़िशा	9	13	8	0	0	0	30
12	झारखंड	7	4	2	6	5	0	24
13	बिहार	7	6	9	15	1	0	38
14	उत्तर प्रदेश	0	0	2	30	39	0	71
15	उत्तराखंड	0	0	5	8	0	0	13
16	हरियाणा	0	0	4	14	3	0	21
17	चंडीगढ़ (केंद्र शासित)	0	0	0	1	0	0	1
18	दिल्ली	0	0	3	6	0	0	9
19	पंजाब	0	1	3	16	0	0	20
20	हिमाचल प्रदेश	0	1	4	7	0	0	12
21	जम्मू और कश्मीर	2	7	7	4	0	2	22
22	राजस्थान	1	2	1	12	17	0	33
23	मध्य प्रदेश	0	3	6	18	23	0	50
24	गुजरात	0	0	3	12	11	0	26
25	दादरा एण्ड दमण (यूटी)	0	1	0	1	0	0	2
26	दीव (केंद्र शासित)	0	0	0	0	1	0	1
27	गोआ	0	0	2	0	0	0	2
28	महाराष्ट्र	5	11	12	7	0	0	35
29	छत्तीसगढ़	3	4	8	3	0	0	18
30	आंध्र प्रदेश	12	10	1	0	0	0	23
31	तमिलनाडु	0	13	19	0	0	0	32
32	पुदुच्चेरी (केंद्र शासित)	0	1	1	0	0	2	4
33	कर्नाटक	1	17	11	1	0	0	30
34	केरल	0	2	12	0	0	0	14
35	लक्ष द्वीप (केंद्र शासित)	0	0	1	0	0	0	1
Total		62	132	158	170	101	18	641

ई : आधिक्य एन : सामान्य डी : कम

एस : अल्प एनआर : वर्षा नहीं एनडी : आंकड़े नहीं

स्रोत : भारतीय मौसम विज्ञान विभाग